कक्षा: 6th

विषय: **हिन्दी (वसंत,-भाग-1)**

पाठ-4: चाँद से थोड़ी-सी गप्पें

प्रश्न 1:

कविता में 'आप पहने हुए हैं कुल आकाश' कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?

उ0:

लड़की कहना चाहती है कि –

चाँद तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है।

प्रश्न 2:

'हमको बुद्धू ही निरा समझा है!' कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?

उ0:

'हमको बुद्धू ही निरा समझा है!' से लड़की का आशय है कि हम बुद्धू नहीं हैं कि यह न समझ सकें कि आप बीमार हैं। हम सब कुछ जानतें हैं, हम भी चतुर हैं।

प्रश्न 3:

आशय बताओ –

'यह मरज़' आपका अच्छा ही नहीं होने में आता है।'

उ0:

कवि यह कहना चाहता है कि चाँद को कोई बीमारी है जो कि अच्छा होता हुआ प्रतीत नहीं होता क्योंकि जब ये घटते हैं तो केवल घटते ही चले जाते हैं और जब बढ़ते हैं तो बिना रूके दिन प्रतिदिन निरन्तर बढ़ते ही चले जाते हैं। तब-तक, जब-तक ये पूरे गोल न हो जाए। कवि की नज़र में ये सामान्य क्रिया नहीं है।

प्रश्न 4:

कवि ने चाँद से गप्पें किस दिन लगाई होंगी? इस कविता में आई बातों की मदद से अनुमान लगाओ और इसके कारण भी बताओ।

उ0:

कवि ने चाँद से गप्पें अष्टमी से पूर्णिमा के बीच लगाई होगी। क्योंकि कवि अपनी कविता में कहते हैं।

"गोल है खूब मगर

आप तिरछे नज़र आते हैं ज़रा।"

अर्थात चाँद गोल है पर पूरी तरह से गोल नहीं है। उसकी गोलाई थोड़ी तिरछी है। इससे साफ़ पता चलता है कि पूर्णिमा होने में अभी एक या दो दिन का समय और है।

प्रश्न 5:

नीचे दिए गए विशेषणों को ध्यान से देखो और बताओ कि कौन-सा प्रत्यय जुड़ने पर विशेषण बन रहे हैं। इन विशेषणों के लिए एक-एक उपयुक्त संज्ञा भी लिखो-

उ0:

	विशेषण	**प्रत्यय**	**संज्ञा**
(i)	चाँदनी	ई	चाँद
(ii)	गुलाबी	ई	पगड़ी
(iii)	मखमली	ई	घास
(iv)	कीमती	ई	गहने
(vi)	ठंडी	ई	रात
(vii)	जंगली	ई	फूल
(viii)	कश्मीरी	ई	भाषा